ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषिऔर प्रौद्योगिकीविश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक :19.12.2023

नैनीताल(उत्तराखंड)के मौसम का पूर्वानुमान–जारी करने का दिन:2023-12-19 (अगले5 दिनों के8:30 IST तक वैध)

मौसमकारक	20/12/2023	21/12/2023	22/12/2023	23/12/2023	24/12/2023
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	12.0	12.0	13.0	13.0	12.0
न्यूनतम तापमान(से.)	4.0	5.0	6.0	7.0	5.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	75	75	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	35	35	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	6	6	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	60	65	65	30	20
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	6	2	4	1

समसारांश/ चेतावनी:

आने वाले दिनों में बारिश की कोई भविष्यवाणी नहीं की गई है. अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 12.0-13.0 डिग्री सेल्सियस और 4.0-7.0 डिग्री सेल्सियस हो सकता है। उत्तर-उत्तर-पूर्व और उत्तर-पूर्व-पूर्व से 6-8 किमी/घंटा की गति से हवा चलने की उम्मीद है। क्षेत्र में शुष्क मौसम बने रहने की संभावना है और उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र की पहाड़ियों में 19 दिसंबर 2023 को अलग-अलग स्थानों पर ज़मीन पर पाला पड़ने की संभावना जताई गयी है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 15-21 दिसंबर के बीच कोई वर्षा नहीं होने का संकेत देती है और वर्षा में बड़ी कमी, अधिकतम तापमान में सामान्य प्रवृत्ति और न्यूनतम तापमान में सामान्य से सामान्य से नीचे की प्रवृत्ति की भविष्यवाणी करती है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत" पर अपडेट की जाती है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोग कर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोग कर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। मिग कीट, फ्रूट फ्लाई, गुजिया वीविल और वेबर कीट को नष्ट करने के लिए बागों की गहरी जुताई जरूरी है। दलहनी फसलों की नियमित रूप से गुड़ाई और निराई की जानी चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

कुछ क्षेत्रों में ज़मीन पर पाला पड़ने के साथ मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है, इसलिए खेती की गतिविधियाँ उसी के अनुसार की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर	वानस्पतिक	फसल की निगरानी की जानी चाहिए और आवश्यकतानुसार नियमित निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए।
तोरिया (लाही/घरिया) और पीली सरसों (राड़ा)	वानस्पतिक/ फूल आना	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। आवश्यकता के अनुसार घाटियों और निचली पहाड़ियों में हल्की सिंचाई की जानी चाहिए और कीट/बीमारी के हमले के मामले में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
गेहूँ	वानस्पतिक	सिंचित और वर्षा आधारित दोनों स्थितियों में फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और उपयुक्त कृषि पद्धतियों को नियमित रूप से किया जाना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
जौ	वानस्पतिक	फसल की निराई-गुड़ाई की नियमित निगरानी करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	रोपाई	प्याज़ के अंकुरित पौधों की रोपाई खाद वाले खेतों में की जा सकती है।
आलू	वानस्पतिक	घाटियों में ठंढ की स्थिति में आलू की फसल को उचित अंतराल पर सिंचित किया जाना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
फूलगोभी	वानस्पतिक	रोपाई की गई फूलगोभी की किस्मों में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए तथा निराई-गुड़ाई का कार्य नियमित रूप से करना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
पालक	वानस्पतिक	सिंचित घाटी में सिंचाई के बाद मेथी, पालक (पालक) और धनिया में गुड़ाई करनी चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
सेब, नाशपाती, आड़ू, बेर और खुमानी	पेड़	रोगों की रोकथाम के लिए छंटाई के बाद सेब/नाशपाती/आड़ू/प्लम/खुमानी के पेड़ की अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	बदलते मौसम के साथ पशुओं के नवजात शिशुओं में निमोनिया होने की संभावना अधिक रहती है। इसलिए, यह सलाह दी जाती है कि पशु को ठंड से बचाया जाना चाहिए और गर्म भोजन दिया जाना चाहिए।
भैंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए।

अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा/भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	ठंढ/कोहरा होने पर, नियमित अंतराल पर खेतों में सिंचाई करनी चाहिए।